मीडिया समन्वय कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 31 मार्च 2017

गांधी जी ने हिन्दू मुस्लिम एकता के लिए दी जान

जामिया मिल्लिया इस्लामिया में आज ''महात्मा गांधी और इस्लाम'' विषय पर हुई परिचर्चा में कहा गया कि राष्ट्रपिता का मानना था कि देश में स्थायी शांति तब तक नहीं हो सकती जब तक सभी धर्मों के मानने वाले एक दूसरे की आस्था के प्रति सम्मान और संयम का पालन नहीं करते। इसमें कहा गया कि हिन्दू मुस्लिम एकता के लिए गांधी जी ने अपनी जान तक दे दी।

जेएमआई के 'नेल्सन मंडेला सेंटर फॉर पीस एंड कानफ्लिक्ट रेज़लूशन ' सेंटर की ओर से आयोजित सातवें वाल्टर सिसालु ममोरिअल लेक्चर के तहत जर्मनी की हिडलबर्ग यूनिवर्सटी में इतिहास विभाग की प्रो गीता धर्माचार्य फ्रिक ने कहा, ''गांधी जी कहा करते थे कि अगर हिन्दू सोचते हैं कि भारत सिर्फ हिन्दुओं का है तो वे दुःस्वपन में हैं। हिन्दुस्तान को हिन्दू, मुलसमान, इसाई और पारसी सबने अपना घर बनाया है और सब आपस में मिलकर ही रह सकते हैं।''

उन्होंने कहा कि इसी तरह '' गांधी जी ने मुसलमानों से भी कहा कि इस्लाम के भाईचारे के सिद्धांत के आधार पर वे हिन्दुओं से भाईचारे और दोस्ती के रिश्ते रखें।''

उन्होंने कहा कि जामिया मिल्लिया इस्लामिया की स्थापना में गांधी जी ने बहुत ही सक्रिया भूमिका निभाई थी। ब्रिटिश शिक्षा के खिलाफ गांधी जी की 'बुनियादी शिक्षा' की सोच को जेएमआई ने अमली जामा पहनाया। उन्होंने कहा कि जेएमआई से जुड़े जौहर बंधुओं, ज़ाकिर हुसैन, मौलाना अबुल कलाम आज़ाद और मुहम्मद मुजीब वैग़रह से गांधी जी के क़रीबी रिश्ते थे। इन लोगों से मिलकर उन्होंने ब्रिटिश शिक्षा का विकल्प पेश किया।

गीता धर्माचार्य ने कहा कि गांधी जी के 'रामराज्य ' के सिद्धांत को गलत समझा गया जबकि इससे उनका आशय समाज के सभी लोगों के सुख और शांति के साथ रहने से था, लेकिन साम्प्रदयिक ताकतों ने उसका गलत अर्थ बना कर लोगों को गुमराह किया।

उन्होंने कहा कि गांधी जी के 'स्वराज ' के सिद्धांत की चार बुनियाद हैं ''हिन्दू–मुस्लिम भाईचारा, सत्याग्रह, छूआ–छूत का ख़ात्मा और स्वदेशी :खादीः को बढ़ावा।''

जेएनयू के पूर्व प्रोफेसर आनंद कुमार ने कहा, ''हिन्दू मस्लिम एकता स्थापित करने में गांधी जी को अपनी जान की कीमत देनी पड़ी।''

तत्कालीन योजना आयोग की पूर्व सदस्य सैयद सैयदना हामिद ने कहा कि हिन्दू मुस्लिम एकता की गाांधी जी की कोशिशों को आगे बढ़ाने की आज पहले से भी कहीं ज़्यादा आवश्यकता है।

व्याख्यान माला में 'नेल्सन मंडेला सेंटर फॉर पीस एंड कानफ्लिक्ट रेज़लूशन सेंटर की डायरेक्टर और जेएमआई छात्र कल्याण की डीन तसनीम मिनाई ने प्रो गीता और प्रो आनंद का परिचय कराया।

इस मौक़े पर विश्वविद्यालय के कई विभागों के अध्यापक और बड़ी संख्या में छात्र मौजूद थे।

जेएमआई मीडिया कोआर्डिनैटर ऑफिस

font: Kruti Dev 010